SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Audiologist & Speech-Hearing Specialist

ऑडियोलॉजिस्ट कान और सुनने की क्षमता के विशेषज्ञ होते हैं — वे श्रवण जाँच करते हैं, श्रवण यंत्र लगाते हैं और कॉक्लियर इम्प्लांट कार्यक्रमों में बच्चों से लेकर बुज़ुर्गों तक की मदद करते हैं। 12वीं (विज्ञान) के बाद 4 वर्षीय...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/audiologist

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

ऑडियोलॉजिस्ट कान और सुनने की क्षमता के विशेषज्ञ होते हैं — वे श्रवण जाँच करते हैं, श्रवण यंत्र लगाते हैं और कॉक्लियर इम्प्लांट कार्यक्रमों में बच्चों से लेकर बुज़ुर्गों तक की मदद करते हैं। 12वीं (विज्ञान) के बाद 4 वर्षीय बीएएसएलपी डिग्री और भारतीय पुनर्वास परिषद में पंजीकरण से यह करियर शुरू होता है। भारत में प्रशिक्षित श्रवण विशेषज्ञ बहुत कम हैं, इसलिए अस्पताल से लेकर अपने क्लिनिक तक अवसर लगातार बढ़ रहे हैं।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	12वीं विज्ञान (भौतिकी-रसायन-जीवविज्ञान/गणित) के बाद 4 वर्षीय बीएएसएलपी (1 वर्ष इंटर्नशिप सहित)
कार्य-शैली	अस्पताल, ईएनटी क्लिनिक, पुनर्वास केंद्र — अधिकतर इनडोर, उपकरण-आधारित जाँच
माँग	बढ़ती — भारत में करोड़ों लोग श्रवण-हानि से प्रभावित, प्रशिक्षित विशेषज्ञ बहुत कम
शीर्ष कमाई	अनुभवी कॉक्लियर इम्प्लांट विशेषज्ञ या अपने क्लिनिक से ₹1,50,000+ प्रतिमाह संभव

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- लोगों की सुनने-बोलने की समस्याएँ सुलझाने में रुचि
- ध्वनि, भाषा और मानव शरीर के विज्ञान में जिज्ञासा
- बच्चों और बुज़ुर्गों के साथ धैर्यपूर्वक काम करने का मन

क्षमताएँ

- धैर्य और सरल, स्पष्ट संवाद
- सूक्ष्म अवलोकन — ध्वनि और उच्चारण के बारीक अंतर पकड़ना
- इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और कंप्यूटर के साथ सहजता

ज़रूरी कौशल

- श्रवण जाँचें करना — ऑडियोमेट्री, ओएई, बेरा जैसी जाँचें
- श्रवण यंत्र चुनना, फिट करना और प्रोग्राम करना

- कॉक्लियर इम्प्लांट मैपिंग व पुनर्वास की समझ
- जाँच रिपोर्ट लिखना और रिकॉर्ड सँभालना
- मरीज़ और परिवार को स्थानीय भाषा में परामर्श देना
- ईएनटी चिकित्सकों व स्पीच थेरेपिस्ट के साथ टीम में काम

4 कैसे पहुँचें

1. 10वीं के बाद विज्ञान (भौतिकी, रसायन, जीवविज्ञान/गणित) चुनें और 12वीं में कम से कम 50% अंक लाएँ (आरक्षित वर्ग को छूट)
2. मैसूरु के अखिल भारतीय वाक् श्रवण संस्थान की प्रवेश परीक्षा दें, या जयपुर की सीटों के लिए राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की संयुक्त प्रवेश परीक्षा दें
3. आरसीआई-मान्यता प्राप्त कॉलेज से 4 वर्षीय बीएएसएलपी करें — अंतिम वर्ष अस्पताल इंटर्नशिप का होता है
4. भारतीय पुनर्वास परिषद के केंद्रीय पुनर्वास पंजी में पंजीकरण कराएँ — प्रैक्टिस के लिए अनिवार्य
5. विशेषज्ञता और ऊँचे वेतन के लिए एमएएसएलपी/एमएससी ऑडियोलॉजी करें, या अस्पताल, कंपनी अथवा अपने क्लिनिक में काम शुरू करें

प्रमुख परीक्षाएँ

- अखिल भारतीय वाक् श्रवण संस्थान, मैसूरु की अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा — 11वीं-12वीं के पाठ्यक्रम पर आधारित कंप्यूटर परीक्षा; आवेदन लगभग मार्च में खुलते हैं
- बीएएसएलपी के लिए नीट आवश्यक नहीं है; कुछ निजी संस्थान 12वीं की मेरिट से प्रवेश देते हैं
- राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की संयुक्त प्रवेश परीक्षा — जयपुर में बीएएसएलपी सीटों के लिए

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- SMS Medical College (RUHS), Jaipur — BASLP — जयपुर, राजस्थान (https://ruhsraj.org/)
- AIISH — All India Institute of Speech and Hearing, Mysuru — मैसूरु, कर्नाटक (https://aiishmysore.in/)
- AYJNISHD(D) — Ali Yavar Jung National Institute of Speech and Hearing Disabilities, Mumbai — मुंबई, महाराष्ट्र (https://ayjnishd.nic.in/)

निजी संस्थान

- Dr. S.R. Chandrasekhar Institute of Speech and Hearing — बेंगलुरु, कर्नाटक
- JSS Institute of Speech and Hearing — मैसूरु, कर्नाटक
- MERF Institute of Speech and Hearing — चेन्नई, तमिलनाडु

ऑनलाइन

- SWAYAM — free foundation courses only (BASLP is a clinical degree, no online option exists) — ऑनलाइन (https://swayam.gov.in/)

फ़ीस

सरकारी संस्थानों में बीएएसएलपी बहुत किफ़ायती है — मैसूरु के राष्ट्रीय संस्थान में पूरे कोर्स की फीस लगभग ₹63,000 (साथ में पढ़ाई के दौरान मासिक छात्रवृत्ति और इंटर्नशिप में लगभग ₹8,000 मासिक भत्ता) तथा जयपुर के सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में भी कुल लगभग ₹63,000। निजी कॉलेजों में ₹75,000 से ₹2,00,000 प्रति वर्ष तक; छात्रावास खर्च अलग।

छात्रवृत्तियाँ

- National Scholarship Portal (central and state schemes) (https://scholarships.gov.in/)
- Rajasthan Higher & Technical Education — online scholarship schemes (https://hte.rajasthan.gov.in/)
- AIISH Mysuru student stipend for BASLP students (https://aiishmysore.in/)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

ज़िला अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, ईएनटी क्लिनिक, पुनर्वास केंद्र, विशेष विद्यालय, श्रवण यंत्र शोरूम और गाँवों में लगने वाले जाँच शिविर।

कार्य-संस्कृति

अधिकतर इनडोर, मशीन-आधारित और नियमित समय वाला काम; छोटे बच्चों और बुज़ुर्ग मरीज़ों के साथ बहुत धैर्य चाहिए। शिविरों के लिए कभी-कभी यात्रा और सप्ताहांत काम भी।

कौन नौकरी देता है

- सरकारी ज़िला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज
- श्रवण यंत्र बनाने-बेचने वाली कंपनियाँ
- मूक-बधिर बच्चों के विशेष विद्यालय और स्वयंसेवी संस्थाएँ
- ईएनटी और श्रवण क्लिनिक
- कॉक्लियर इम्प्लांट केंद्र और बड़े निजी अस्पताल
- स्वयं का श्रवण जाँच व श्रवण यंत्र क्लिनिक

माँग (2026)

भारत में करोड़ों लोग श्रवण-हानि से प्रभावित हैं, जबकि पंजीकृत ऑडियोलॉजिस्ट कुछ ही हज़ार हैं। नवजात श्रवण जाँच कार्यक्रम, बढ़ती बुज़ुर्ग आबादी और श्रवण यंत्र उद्योग के विस्तार से 2026 में माँग तेज़ी से बढ़ रही है — राजस्थान के अधिकांश ज़िलों में तो विशेषज्ञ मिलना ही कठिन है।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. इंटर्न / प्रशिक्षु ऑडियोलॉजिस्ट
2. क्लिनिकल ऑडियोलॉजिस्ट (अस्पताल या क्लिनिक में)
3. वरिष्ठ ऑडियोलॉजिस्ट / कॉक्लियर इम्प्लांट विशेषज्ञ (एमएएसएलपी के बाद)
4. मुख्य ऑडियोलॉजिस्ट अथवा अपने श्रवण क्लिनिक के मालिक
5. प्राध्यापक / शोध वैज्ञानिक

कमाई

शुरुआत	₹20,000–35,000
मध्य स्तर	₹35,000–60,000
वरिष्ठ स्तर	₹70,000–1,50,000+

मासिक अनुमान, 2026। महानगरों, श्रवण यंत्र कंपनियों और अपने क्लिनिक में कमाई अधिक होती है; सरकारी पदों पर निश्चित वेतनमान। एमएएसएलपी और कॉक्लियर इम्प्लांट विशेषज्ञता के बाद वेतन तेज़ी से बढ़ता है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- किसी बच्चे को पहली बार सुनते देखना — गहरा संतोष देने वाला काम
- सरकारी संस्थानों में बहुत कम फीस, साथ में छात्रवृत्ति भी
- छोटे शहरों में भी अपना क्लिनिक चलाने का अवसर — प्रतिस्पर्धा कम

चुनौतियाँ

- सरकारी कॉलेजों में सीटें कम, इसलिए प्रवेश प्रतिस्पर्धी है
- शुरुआती वेतन साधारण — बड़ी कमाई अनुभव और विशेषज्ञता के बाद ही
- ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कम — मरीज़ देर से पहुँचते हैं और प्रैक्टिस जमाने में समय लगता है

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Devangi Dalal
ऑडियोलॉजिस्ट एवं सह-संस्थापक, जोश फाउंडेशन, मुंबई

देवांगी दलाल सर्जन बनना चाहती थीं, पर 6 प्रतिशत अंकों से चूक गईं — तब 1988 में उन्होंने ऑडियोलॉजी चुनी, जब पूरे देश में इस कोर्स की लगभग 55 सीटें ही थीं। एक विशेष विद्यालय के 350 मूक-बधिर बच्चों की दुर्दशा देखकर उन्होंने ईएनटी सर्जन के साथ मिलकर जोश फाउंडेशन की सह-स्थापना की, जिसने 2,500 से अधिक गरीब बच्चों को डिजिटल श्रवण यंत्र, थेरेपी और मुख्यधारा की शिक्षा दिलाई। 2012 में वे अमेरिकन अकैडमी ऑफ ऑडियोलॉजी का मानवता पुरस्कार पाने वाली पहली भारतीय ऑडियोलॉजिस्ट बनीं।

Mahevash Muses · https://www.mahevashmuses.com/interviews-and-guest-posts/in-conversation-with-devangi-dalal-indias-first-humanitarian-audiologist/

Vinaya Manchaiah
ऑडियोलॉजिस्ट एवं सह-संस्थापक, ऑडियोलॉजी इंडिया

दक्षिण भारत से निकले विनय मंचैया ने ऑडियोलॉजी की पढ़ाई की और आगे चलकर विदेश में प्रोफेसर बने, पर अपने देश के गाँव नहीं भूले। 2011 में उन्होंने साथी विशेषज्ञ के साथ ऑडियोलॉजी इंडिया संस्था की सह-स्थापना की, जो समुदाय-आधारित शिविरों से 1,500 से अधिक श्रवण जाँचें कर चुकी है और 600 से अधिक श्रवण यंत्र लगवा चुकी है। उनकी टीम शिक्षकों और चिकित्सकों को बहरापन जल्दी पहचानने का प्रशिक्षण भी देती है, क्योंकि भारत में श्रवण-हानि वाले अधिकांश लोगों तक सेवाएँ ही नहीं पहुँचतीं।

AudiologyOnline · https://www.audiologyonline.com/interviews/audiology-india-14418

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. अखिल भारतीय वाक् श्रवण संस्थान, मैसूरु — आधिकारिक वेबसाइट — https://aiishmysore.in/
2. भारतीय पुनर्वास परिषद — पंजीकरण एवं मान्यता — https://rehabcouncil.nic.in/
3. अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक् श्रवण दिव्यांगजन संस्थान, मुंबई — https://ayjnishd.nic.in/
4. राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर — https://ruhsraj.org/
5. राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल — https://scholarships.gov.in/

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल
रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।
career.gsssjethantri.in